राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्य में उच्च शिक्षा का तेजी से विकास हो रहा है–राज्यपाल

पटना, 20 जनवरी 2019

''उच्च शिक्षा के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। मुझे जानकर खुशी है कि पटना विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों में 50% से अधिक छात्राएँ हैं। पटना विश्वविद्यालय बिहार में महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर है। आज के दीक्षांत–समारोह में भी 80% से अधिक 'गोल्ड मेडल' बेटियों को मिला है। यह पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। वस्तुतः बिहार के विकास का रथ आज तेजी से आगे बढ रहा है।''– उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल ने आज स्थानीय एस॰के॰ मेमोरियल हॉल में पटना विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए कुछ ठोस और सार्थक कदम हमने उठाये हैं। विश्वविद्यालयों में अकादमिक एवं परीक्षा कैलेण्डर के अनुरूप समय पर नामांकन, परीक्षा–आयोजन, परीक्षाफल प्रकाशन तथा डिग्री–वितरण के लिए दीक्षांत समारोहों के आयोजन हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन बनाये रखने हेतु आवश्यक कदम उठाये गये हैं। विश्वविद्यालयों में University Management Information System (UMIS) इस वर्ष से लागू होने जा रहा है, जिससे छात्र एवं शिक्षक काफी लाभान्वित होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में रोजगारपरक वैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जा रहे हैं, जिनके द्वारा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयों से निकलते ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप 'दीक्षांत समारोह' के लिए नयी परिधान–व्यवस्था कार्यान्वित कर दी गई है, जिसका अवलोकन आज के समारोह में भी आप कर रहे हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों को भी विश्वविद्यालयों में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणव मुखर्जी के बिहार आगमन से उच्च शिक्षा के विकास प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि डॉ॰ मुखर्जी का मुझे काफी दिनों तक सौजन्य और साहचर्य मिला है। वे एक महान शिक्षाविद् हैं, उनके विद्वतापूर्ण उद्‌बोधन और उनके हाथों पटना विश्वविद्यालय के छात्रों को डिग्रियाँ प्राप्त होने से विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि डॉ॰ मुखर्जी के दीक्षांत भाषण में दिये गये सुझावों के आलोक में राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप विकसित करने में पर्याप्त मदद मिलेगी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ॰ मुखर्जी भारत के वैसे कुछ महान व्यक्तियों में हैं, जिनपर भारत गर्व कर सकता है।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि आज भारत तेजी से विकास कर रहा है। सभी क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। ऐसे में युवा विद्यार्थियों को राष्ट्र–निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए भारत के पुनरोदय में अपना भरपूर योगदान करना चाहिए।

समारोह में अपने दीक्षांत भाषण के दौरान भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ॰ प्रणव मुखर्जी ने कहा कि विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप भारत के उच्च शिक्षा और तकनीकी संस्थानों को विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि बिहार और तेजी से प्रगति कर रहा है। बिहार की विकास–दर आज राष्ट्रीय विकास–दर से भी ज्यादा है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों को आधुनिक ज्ञान–विज्ञान से अपने को जोड़े हुए चलना होगा। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा को रोजगार और कौशल–उन्नयन से जोड़कर ही देश के नव–निर्माण की वास्तविक परिकल्पना की जा सकती है।

माननीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ॰ प्रणव मुखर्जी और महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करनेवाले तथा पी॰एचडी की डिग्रियाँ प्राप्त करनेवाले छात्रों को स्वर्णपदक एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रासबिहारी प्रसाद सिंह ने पटना विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो॰ श्रीमती डॉली सिन्हा, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, पटना विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, अनुषद्, अभिषद् एवं विद्वत परिषद् के सदस्यगण, शिक्षकगण, छात्रगण, अभिभावकगण आदि भी उपस्थित थे।

.....